केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केंद्रीय विद्यालय नलेटी
KENDRIYA VIDYALAYA NALETI

विद्यालय पत्रिका
2020-21

सृजन

Chief patron

Mrs. Nidhi Pandey

Commissioner, KVS (HQ), New Delhi

Our Patron

Mr. S.S. Chauhan

Deputy Commissioner, KVS, RO Gurgaon

Our Mentors

1. Mrs. K.R. Chugh,
   AC, KVS, RO Gurgaon
2. Mrs. Meena Kulshreshtha,
   AC, KVS, RO Gurgaon
3. Mr. Ombir Singh,
   AC, KVS, RO Gurgaon

प्राचार्या की कलम से

जगत में हर पल नवीनता का संचार हो रहा है |भूमि के गर्भ में बीज के भीतर से नव – अंकुर फूट रहे है,पेड़ –पौधों पर नई कलियाँ बन रही है और वे खिलकर फूल में तब्दील हो रही है | उसी तरह बालक के मन में भी नवीनता का संचार होता रहता है | उसके मन में संसार को जानने की उत्कंठा जाग्रत होती है और यहीं से नए सृजन की शुरुआत होती है | यही सृजन शरीर को रोमांचित करता है, मन और आत्मा को संतोष से भरता है | जब मन में नई भावनाओं का जन्म होता है, तब फिर से कर्म में भी नवीनता का संचार होने लगता है | इस दिशा में सबसे अहम भूमिका निभाती है – शिक्षा | शिक्षा जीवन की सबसे शक्तिशाली चीजों में से एक है | शिक्षा न केवल सिखाती है बल्कि यह एक व्यक्ति को बहुत समझदार और बेहतर इंसान बनाने में मदद करती है | शिक्षा वह मंच है जो सभी बाधाओं को हराने की क्षमता रखती है | कहा जाता है कि शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है,शिक्षा ही जीवन है | इसलिए एक उचित शिक्षा प्राप्त करना बेहद महत्त्वपूर्ण है | शिक्षा की इसी उद्घोषणा के साथ मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय नलेटी, शिक्षाप्रद, प्रेरणादायी विद्यालय पत्रिका सृजन 2019-20 का प्रकाशन करने जा रहा है |

सबसे पहले तो मैं उन सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ , जिन्होंने इस पत्रिका में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया | मेरा लक्ष्य है कि ईमानदारी से सुधार का दृष्टिकोण रखते हुए, लक्ष्यों एवं महत्वपूर्ण कार्यों, विचारों को संगठित कर बालकोमुखी चहुंमुखी विकास को एक नई दिशा और नई गति दी जा सके| जिससे विद्यालय निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े |

“शिक्षा एक निरंतर प्रक्रिया है,यह एक साइकिल की तरह है | यदि आप पेडल नहीं घूमाते है तो आगे नहीं जाते है|”

इसी प्रकिया में नौनिहाल बच्चों की लेखनी के प्रयास से निकली नवीन रचनाएँ अपने-अपने शब्द रंगों से आलोकित होकर विद्यालय के गुलशन को और अधिक महकाती हैं | विद्यालय पत्रिका उस विद्यालय का दर्पण होती है | उसी से विद्यालय की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ - साथ साहित्यिक रुचि का भी पता चलता है| विद्यालय पत्रिका की अभिव्यक्ति इस बात का प्रमाण है कि यहाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय परिवार प्रतिबद्ध है | विद्यालय परिवार इस क्षेत्र में निरंतर सकारात्मक प्रयास पथ पर अग्रसर है |

इस वैश्विक महामारी के (कोविड़-19) दौर में भी विद्यालय के बच्चों की लेखनी ने गुरुजनों के ई – सानिन्ध्य, मार्गदर्शन में अपने मन के उद्गारों को साकार रूप प्रदान किया | इस हेतु मैं पुनः विद्यार्थियों व समस्त गुरुजनों को विद्यालय पत्रिका प्रकाशन पर बधाई देती हूँ | अंत में आपके समक्ष आगरा,उत्तरप्रदेश के सुप्रिसद्ध कवि द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी की यह प्रेरणादायी पंक्ति.....

“इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है |
इतने मौलिक बनो कि जितना स्वयं सृजन है ||”

श्रीमती स्वाति अग्रवाल
प्राचार्या

पुस्तकें, पठन और छात्र

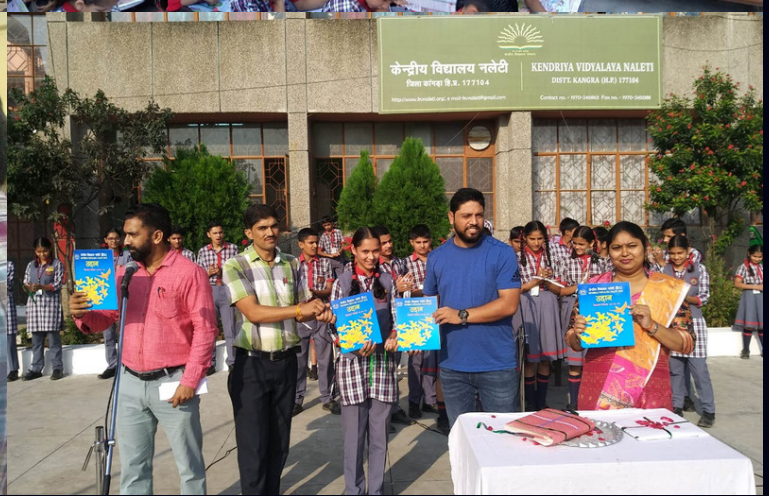

योग दिवस

स्वच्छ भारत अभियान

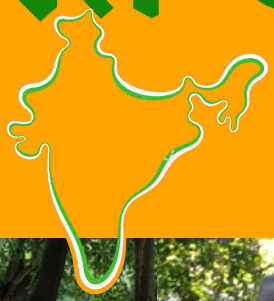

छात्र परिषद गठन कार्यक्रम

HAPPY TEACHER'S DAY

हिंदी अनुभाग

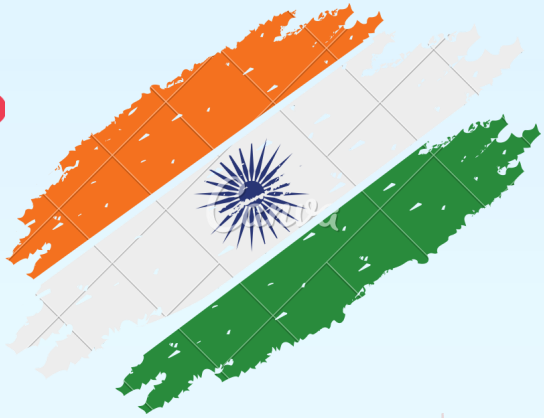

श्री सी. पी. मीना

(स्नातकोत्तर शिक्षक, हिंदी)

श्री रवि सैनी

(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, हिंदी)

संपादकीय

अति हर्ष का विषय है कि हमारा केन्द्रीय विद्यालय नलेटी वार्षिक पत्रिका सृजन 2019 -2020 का प्रकाशन करने जा रहा है | इस पत्रिका में हमारे विद्यालय के बालकों के अन्तर्मन की अभिव्यक्ति है | अभिव्यक्ति की एक कला "लेखन" भी है| लेखन एक माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को उस व्यक्ति के पास पहुंचाते हैं जो हमारे समक्ष नहीं होता है | सभ्यता के विकास के साथ ही जब व्यक्ति ने अपने विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए कलम उठाई तब सबसे पहले चित्र रूप में उसने अपने शब्दों को व्यक्त किया | लेकिन जल्द ही ये चित्र शब्दों में बदल गए और समाज में लेखन कला का विकास होने लगा | इसी परंपरा का निर्वाह करते हुए हमारे नन्हें-मुन्ने बच्चों ने लेखनी चलाई है जो बहुत ही सराहनीय है |

आज के तकनीकी दौर में मौलिक सृजन व लेखनी धीमी अवश्य पड़ गई है परंतु सोशल मीडिया ने मौलिक सृजन व लेखन को नया रूप प्रदान किया है जो कि पूरी तरह अनौपचारिक है | अनंत आकाश में उड़ान भरने के लिए स्वतंत्र अवसर उपलब्ध कराती है | केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों को भी अभिव्यक्ति के अनंत आकाश में उड़ने के लिए विद्यालय पत्रिका के माध्यम से पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाए जाते हैं | जो आदर्श,सक्षम व गुणी नागरिक बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम हैं |

सूचना क्रांति व सोशल मीडिया के दौर में भी हर व्यक्ति अपने भावों और विचारों को व्यक्त करने के लिए मौखिक या लिखने का माध्यम अपनाता है | लेकिन बहुत कम लोग जानते है कि लेखन वास्तव में एक कला और कौशल होता है,जिसके विकास के द्वारा ही हमारे विचारों की अभिव्यक्ति संभव हो पाती है | कुछ लोग इस कला में जन्मजात ही पारंगत होते है और कुछ अभ्यास के द्वारा निपुण हो जाते है |

इस पत्रिका के प्रकाशन के द्वारा उन सभी बाल सृजकों की लेखनी की कला को प्रदर्शित किया जा रहा है जो उनके बालमन में हिलोरे ले रहा था | पत्रिका के प्रकाशन में समस्त बालकों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस पत्रिका के ज्ञानाकर को भरने के लिए अथक परिश्रम किया और समस्त गुरुजनों को हार्दिक शुभकामनाएं, आपके मार्गदर्शन से ही पत्रिका साकार रूप ले पाई |

"करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान
रसरी आवत जात ते, सिल पर पड़त निसान |"

चंद्रप्रकाश मीना
स्नातकोत्तर शिक्षक(हिन्दी)

दरवाजे पर आ जा चिरैया

तोहे मुनिया पुकारे
दरवाजे पे आ जा चिरैया तो हे मुनिया पुकारे।
जब से बिछुड़ी गौरैया रानी
सूने भए गांव, चौपाल राजधानी
चहक-चहक अब कौन रिझाएं
सुबह, पछिलहरा में गांव को कौन जगाएं
पूछ रही अंगने की तुलसी मैया
तोहे मुनिया पुकारे
दरवाजे पर आ जा चिरैया तोहे मुनिया पुकारे।
तोहे मुनिया पुकारे
मुनिया पुकारे तोहे, मुनिया पुकारे
आके बैठ जा रे ऊंची अटरिया
तोहे मुनिया पुकारे।
अंगना में आके गौरैया नाचे
फर्र से उड़कर घर भर को नापे
पीछे-पीछे भागत है कृष्ण कन्हैया

अर्पिता राणा, कक्षा ग्यारवीं ए

चींटी की आंखें

चींटी की आंखें एक साथ कई तरफ देख सकती हैं। चीटी की आँख को यौगिक आँख कहा जाता है क्योंकि इनमें नन्हें-नन्हेंढेरों लेंस होते हैं, इससे लाभ यह होता है कि चीटी हल्की से हल्की हलचल को भी देख लेती है। दो आंखों के अलावा अधिकतर चीटियों की नन्हीं-नन्हीं तीन आंखें और भी होती हैं जो सिर के ऊपरी हिस्से में त्रिकोण के रूप में स्थित होती हैं। इनका काम रोशनी के स्तर को पहचानना होता है। कुछ ऐसी चीटियाँ ऐसी भी होती हैं जो बिल्कुल भी नहीं देख सकती।।

प्रियांशु शर्मा, कक्षा 5

बेटी

मैं तेरे घर आंगन की शोभा
मुझ में सजता जीवन सब का
सोचो अगर जो मैं न जन्मी
तो कैसा होगा यह जीवन
कहां से मिलेगी प्यारी बहना
कैसे खिलेगा नन्हा बचपन
क्या खुद से जीवन पाओगे
अगर मुझे ना बचाओगे

हर्षिता, कक्षा 4

विद्यालय का महत्व

क्या होते हैं स्कूल हम आपको बताते हैं,
लगन अनुशासन और मेहनत इन में सिखाते हैं।
स्कूल एक मंदिर है और अध्यापक है भगवान
यह दो मिलकर बनाते हैं आदमी को इंसान
स्कूल देते हैं शिक्षा और ज्ञान का भंडार
मिटाते हैं आपसी भेदभाव सिखाते हैं प्यार
न होते स्कूल तो जेलें होतीं
बापू की आत्मा काल कोठियों में बीतती
मिलेगी स्कूल से शिक्षा तो रहेंगे बच्चे
करेंगे हम सब मिलकर अपने सपने सच्चे
हे स्कूल तुमसे पाकर ज्ञान
जगत में हो सकता है ऊंचा नाम
इसीलिए आदर सहित करती हूँ मैं तुझको प्रणाम।।

कनिष्का शर्मा, कक्षा 8

पिता

मेरा साहस मेरी इज्जत मेरा सम्मान है पिता
मेरी ताकत मेरी पूंजी मेरी पहचान है पिता
घर की एक-एक ईंट में शामिल है उनका खून पसीना
सारे घर की रौनक उनसे सारे घर की शान पिता
मेरी इज्जत मेरी शोहरत मेरा मान है पिता
मुझको हिम्मत देने वाला मेरा अभिमान है पिता
सारे रिश्ते उनके दम से सारे नाते उनसे हैं
सारे घर के दिल की धड़कन सारे घर की जान पिता
शायद रब ने देकर भेजा फल ये अच्छे कर्मों का
उसकी रहमत उसकी नेमत उसका है वरदान पिता।।

पल्लवी, कक्षा 8

बेटियां

चिड़ियों की झुंडसी चहचहाती हैं बेटियां
पगडंडियों पर नीले पीले आंचल उड़ाती हैं बेटियां
आंगन की तुलसी वन घर को महकाती हैं बेटियां
हंसी ठिठोली कर सबका मन बहलाती हैं बेटियां
पायल की रुनझुन सी गुनगुनाती हैं बेटियां
पानी सी निर्मल-स्वच्छ नजर आती हैं बेटियां
क्यों देखते हैं दोहरीनिगाहों से जमाने वाले
किसी भी मकान को घर बनाती हैं बेटियां।।

मन्नत शर्मा, कक्षा 6

हिंदी की महिमा

मैंभारत मां के मस्तक पर
सदियों से अंकित बिंदी हूं
मैं सब की जानी पहचानी
भारत की भाषा हिंदी हूँ
हर एक देश में निज भाषा
माँ जैसा गौरव पाती है
हिंदीअपने ही बेटो में
दूजी माँ समझी जाती हूं
बेटी से जो आदर पाए
माता वह किस्मत वाली है
हो मुखर राष्ट्र के जन गण में
भाषा वह गौरवशाली है
मेरी बोली में मीरा ने गिरधर की महिमा गाई है
मैं सब की जानी पहचानी भारत की भाषा हिंदी हूं।

कृतिका शर्मा, कक्षा 7

मेरे वीर जवानों

मेरे वीर जवानों
राखी पर तुम को सलाम हमारा
सदा सुरक्षित रहो जहां हो
कहते हैं तुमको बलवान
सहज तथ्य हैतुमसे हम हैं
तुम हो भारत की शान
हमारे लिए रक्षा की है तुमने
यह हमारे लिए वरदान
हम केंद्रीय विद्यालय के बच्चे
हमारे आदर्श तुम ही हो
रहो सुरक्षित सदा जहां हो
और रखो राखी के धागों का मान।।

सूरज शर्मा, कक्षा 9

हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं

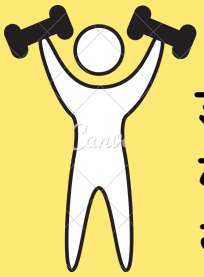

एक ख्वाब देखा है मंज़िल का
उसे पाने की हर कोशिश कर रहा हूं
थोड़ा गिरकर संभल रहा हूं
हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं
ठोकर खाकर फिर से उठ रहा हूं
हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं
रास्ते में आ रहे विकर्षण की ओर
आकर्षित होने से बच रहा हूं
हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं
बहका रहे हैं कुछ अनजान परिंदे
पर बाज़ जैसे इरादों से
आसमान छू लेने की कोशिश कर रहा हूं
हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं
कमज़ोर कर रहे हैं कुछ जज्बात
उनको अपनी ताकत बना रहा हूं
हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं
असफलता के अवसाद से
प्रेरणा ले रहा हूं
हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं
मंज़िल से इश्क़ करते करते
सफर से मोहब्बत कर रहा हूं
हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं
कल मिलने वाली उस मंज़िल के लिए
आज मेहनत कर रहा हूं
हाँ मैं आगे बढ़ रहा हूं

शिवम कौशल, कक्षा ग्यारवीं अ

बिक गए

ज्ञान बिक गए, ईमान बिक गए
कलम बिक गयी, सम्मान बिक गए।

छोटी छोटी सुविधाओं पर,
बड़े - बड़े ईमान बिक गए।

सोच समझ कर मुँह से बोलो,
दीवारों के कान बिक गए।

उनसे पूछ ज़िन्दगी क्या है,
जिनके सारे अरमान बिक गए।

नग्न रह गई ज़िंदा लाशें,
मुर्दों के परिधान बिक गए।

चोरों को दोष मत दीजिये,
घर के ही दरबान बिक गए।

पशुओं की कीमत लगती है
बिना मूल्य इंसान बिक गए।

शिवम कौशल, कक्षा ग्यारवींअ

मां

मां मेरी है सबसे प्यारी
लगती है मुझको बड़ी न्यारी
गोद में अपनी मुझे सुलाती
ताजा खाना मुझे खिलाती
हँसती जब मैं वह भी हँसती
गोद में इसकी दुनिया बसती

आर्यन पंडित

मुक्ति की आकांक्षा.....

चिड़िया को लाख समझाओ कि पिंजड़े के
बाहर धरती बहुत बड़ीहै, निर्मम है,
वहाँ हवा में उन्हें
अपने जिस्मकी गंध तक नहीं मिलेगी।

यूँ तो बाहर समुद्र है, नदी है, झरना है,
पर पानी के लिए भटकना है,
यहाँ कटोरी में भरा जल गटकना है।

बाहर दाने का टोटा है,
यहाँ चुग्गा मोटा है।
बाहर बहेलिए का डर है,
यहाँ निर्द्वंद्व कंठ-स्वर है।
फिर भी चिड़िया
मुक्ति का गाना गाएगी,
मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी,
पिंजरे में जितना अंग निकल सकेगा,
निकालेगी, हरसूँ ज़ोर लगाएगी
और पिंजड़ा टूट जाने या खुल जाने पर
उड़ जाएगी।

अर्पिता राणा, कक्षा ग्यारहवीं ए

घड़ी

सुबह सवेरे हमें जगाती
टिक टिक करती हमें बताती
हरदम चलती जाती है
हमको यह बतलाती है
जीवन में तुम आगे बढ़ना
कभी न रुकना हरदम चलना
सीख में देती है प्यारी
कितनी सुंदर घड़ी हमारी।।

आरिश, कक्षा 5

जनसंख्या पर करो ध्यान

वे दिन भी थे कितने प्यारे
दूर दूर तक खेत हमारे
अब खेतों में बने मकान
यह बढ़ती जनसंख्या का
परिणाम
सभी घरों में थी खुशहाली
सबके मुखड़े पर थी लाली
कई थालियां रहती खाली
खाली पड़े खेत खलिहान
जगह जगह लंबी कतार है
आदमी आदमी पर सवार है
रोज हो रही लूटमार है
मूल्य सारे तार तार हैं
कहीं देख लो धक्कम धक्का
जीवन का न बढ़ता चक्का
जाम लगा है मीलों-मील
कहीं नहीं है खाली स्थान
सीमित जो परिवार रहेंगे
सुखी स्वस्थ घर बार रहेंगे
जन-जन को अवकाश मिलेगा
अवसर मिलेंगे एक समान
महंगाई बेरोजगारी है
भ्रष्टाचार महामारी है
स्वार्थ छीन रहा सब के हक
सच्चाई का डूबा नाम
बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम।।

दिव्यांशी, कक्षा 8

हिंदी हिंदुस्तान

हिंदी है हम वतन है हिंदुस्तान हमारा
कितना अच्छा कितना प्यारा है यह नारा
हिंदी में बात करें तो मूर्ख समझे जाते हैं
अंग्रेजी में बात करें जेंटलमैन बन जाते हैं
अंग्रेजी का हम पर असर हो गया
हिंदी का मुश्किल सफर हो गया
देसी घी आजकल बटर हो गया
चाकू भी आजकल का कटर हो गया
अब मैं आपसे इजाजत चाहती हूं
हिंदी की सबसे हिफाजतचाहती हूं।।

अनन्या, कक्षा 4

किताबें कुछ कहना चाहती हैं

किताबें कुछ कहना चाहती हैं
किताबों में चिड़िया चह-चहातीहैं
किताबों में खेत लहराते हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं
किताबों में रॉकेट का राज है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में साइंस की आवाज है
किताबों में ज्ञान की भरमार है
क्या तुम इस संसार में नहीं जाना चाहोगे
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
किताबें तुम्हारे पास रहना चाहती।।

यशिका, कक्षा 6

सुंदर बातें

1. खुशी से संतुष्टि मिलती है और संतुष्टि से खुशी मिलती है, परन्तु फर्क बहुत बड़ा है।
"खुशी" थोड़े समय के लिए संतुष्टि देती है, और "संतुष्टि" हमेशा के लिए खुशी देती है।
2. जीवन में वो ही व्यक्ति असफल होते है, जो सोचते है पर करते नहीं ।
3. जिनको सपने देखना अच्छा लगता है उन्हें रात छोटी लगती है और जिनको सपने पूरा करना अच्छा लगता है उनको दिन छोटा लगता है।
4. हमें जीवन में भले ही हार का सामना करना पड़ जाये पर जीवन से कभी नहीं हारना चाहिए।
5. हमारी सबसे बड़ी कमजोरी यह है की हम प्रयास करना छोड़ देते हैं, सफलता का एक रास्ता है कि एक बार और प्रयास किया जाये।

कृतिका शर्मा, कक्षा- 8

जो बीत गई सो बात गई

जीवन में एक सितारा था
माना वह बेहद प्याराथा
वह डूबगया तोडूब गया
अंबर के आनन को देखे
कितने इसके तारे टूटे
कितने इसके प्यारे छूटे
जो छूट गए फिर कॅहा मिले
पर बोलो टूटे तारों पर
कब अंबरशोक मनाता है
जो बीत गई सो बात गई।
मृदु मिट्टी के हैं सब बने हुए
मधु घट फूटा ही करते हैं
लघु जीवन लेकर आए हैं
प्याले टूटा ही करते हैं
फिर भी मदिरालय के अंदर
मधु के घट हैं मधु का प्याले हैं
जो मादकता के मारे हैं
वे मधु लूटा ही करते हैं
वह कच्चा ही पीने वाला है
जिसकी ममता घट प्यालों पर
जो सच्चे मधु से जला हुआ
कब रोता है चिल्लाता है
जो बीत गई सो बात गई।

चाहत ठाकुर , कक्षा 12

तनाव का नाश

वैराग्य से मोह का नाश
त्याग से लोभ का नाश
परहेज़ रोग का नाश
योग से भोग का नाश
प्रकाश से अंधकार का नाश
सत्संग से विकार का नाश
दान से संग्रह का नाश
नम्रता से कलह का नाश
कुसंग से मति का नाश
ब्रेक से गति का नाश
ज्ञानसे अज्ञान का नाश
अपयश से शान का नाश
मांगने से स्वाभिमान का नाश
नशे से प्राण का नाश
कुसंग से इंसान का नाश
कीर्तन से बिखराव का नाश
साधना से तनाव का नाश।।

योगेश, कक्षा 9

भगवान कब याद आता है?

गरीब को - भूख लगने पर
अमीर को - बुखार आने पर
अध्यापक-को सिलेबस पीछे रहने पर
विद्यार्थियों को - परीक्षा आने पर

रिया ठाकुर, कक्षा 7

अनजान बचपन

ना पढ़ाई की चिंता थी
ना सफल होने का डर था
ना भविष्य की चिंता थी
ना किस्मत का डर था
मेरा अनजान बचपन था
नहीं महंगाई की चिंता थी
ना खरीदारी का डर था
ना कुछ पाने की लालसा थी
ना कुछ गँवाने का डर था
वह मेरा अनजान बचपन था
दादा दादी की कहानियां थी
मां बाप का दुलार था
ना मुकाबलों की होड़ थी
ना अव्वल आने का खुमार था
वह मेरा अनजान बचपन था।

अनमोल वशिष्ट, कक्षा १

मां की ममता

माँही है जो हमें चलना सिखाती है
माँही है जो हमें सही गलत का मतलब बताती है
अगर दुनिया में मां नहीं होती तो
हम भी इस दुनिया में नहीं होते
अगर हम भूखे रहते हैं तो
मां का पेट भी नहीं भरता
अगर हम दुखी होते हैं
तो माँभी दुखी हो जाती है
मां के लिए हम कुछ ना कुछ
विशेष करते रहते हैं वैसे
इसमें कहने की बात नहीं है कि
हम सभी अपनी मां से कितना प्रेम करते हैं
मां सबसे प्यारी है
जो हमसे बहुत प्यार करतीहैं।

श्रेया शर्मा, कक्षा १

वक्त

चल मगर झुक कर हमेशा
व्यर्थ का उन्माद मत कर
तू भूला कर किसी का
भूल कर भी याद मत कर
वक्त से जीवन बना है
इतना तू याद रख अगर
जिंदगी में कुछ बनना है तो
भूल कर भी वक्त को बर्बाद मत करो

अनमोल वशिष्ठ, कक्षा १

1. क्रोध से सबको दुख देते हैं
प्यार से सबको सुख देते हैं
सच भी हम हैं झूठ भी हम हैं
बताओ तो हम क्या हैं?

2. न मुझे इंजन की जरूरत
न मुझे पेट्रोल की जरूरत
और पैर जल्दी-जल्दी चलाओ
मंजिल अपने तुम पहुंच जाओ।

(उत्तर- शब्द साइकिल)

हंसता मुस्कुराता फूल

देखो बच्चों प्यारा फूल
कितना है यह न्यारा फूल
कभी न करता कोई भूल
कांटों में भी जाता झूल
कितने ही कष्टों को झेले
कीट पतंगे इससे खेले
सुंदर हो या मैले-कुचैले
सबसे आंख मिचोली खेले
गर्मी सर्दी सब सह जाता
हर मौसम में हंसता रहता
झाड़ी और पेड़ों पर पलता
देवों के शीशों पर चढ़ता
बच्चों तुम भी फूल सा बनना
बुराई से तुमको है लड़ना
बाधाओं से कभी न डरना
जीवन पथ पर आगे बढ़ना
यह बातें ना जाना भूल
हंसते रहना जैसे फूल
बच्चों देखो प्यारा फूल
कितना है या न्यारा फूल।

तमन्ना, कक्षा 5

अविरल-त्याग

आगाज़ कर क्या भय है तुमको
क्यों बहते बहते रुक जाता है
वह कौन सा बंधन बँधा है
जिसे चाह कर भी ना तोड़ पाता है
जब निकल लिया राह राष्ट्रहित की
तो स्वहित का पाश क्यों गहराता है
मत कमजोर कर तू ध्येय को अपने
क्यों लेश मात्र चूक जाता है
यह मुहिम पंचविकारों से लड़ने की
गर लौ है तो मशाल बना
वरना परहित और उपकार का
न रह जाए सिर्फ तम्बू तना
यह त्योहार मेले दिवाली मिलन
तभी सफल है जीवन जीवन
जब जश्न अंतर में चलता रहे
और राष्ट्र यूँ ही बस फलता रहे।

उल्लासिता, कक्षा- 9

1.टीचरः अगर पृथ्वी के अंदर LAVA है तो बाहर क्या है?
पप्पू :बाहर OPPO और VIVO हैं।
2.पतिः कहां गायब थी 4 घंटे से?
पत्नीः मालगई थी शॉपिंग करने।
पतिः क्या लिया ?
पत्नीः एक हेयर बैंड और 45 सेल्फी ।

कृतिका, कक्षा 6

पानी

प्यास लगे तो पीएँ पानी
नहाने धोने में भी पानी
पौधों में हम डाले पानी
कुत्ता बिल्ली मांगे पानी
बिन पानी हम जी ना पाएँ
फिर पानी क्यों बैठ व्यर्थ बहाएँ
नल में खुला ना छोड़े पानी
टप टप टप टप बहता पानी
पानी को तो खूब बचाओ
काम पड़े तो उसे बहाओ।।

वंशिका कक्षा 6

मेरा स्कूल

कितना सुंदर है स्कूल
इसमें रंग-बिरंगे फूल
फूल सुहाने सब को भाते
उन्हें देखकर सब ललचाते

टीचर हमको पाठ पढ़ाती
नई नई बातें सिखलातीं
फूलों से गिनती करवातीं
टाफी देकर हमें खिलाती।।

आयुष शर्मा, कक्षा 5

ईश्वर का वरदान है पेड़

ईश्वर का वरदान है पेड़
वातावरण की शान है पेड़
मत तुम इनको काटो
सुंदरता की जान है पेड़
ऑक्सीजन का भंडार है पेड़
आओ चलाएँ अभियान लगाकर पेड़
हम बढ़ाए जंगलों की शान
क्योंकि देश का मान सम्मान है पेड़
ईश्वर का वरदान है पेड़।।

हर्षिता, कक्षा 5

चाचा नेहरू के नाम पत्र

चाचा नेहरु चाचा नेहरु
सबके प्यारे चाचा नेहरु
शीश झुकाते नमन हम करते
प्यारे प्यारे चाचा नेहरु
देखा नहीं कभी भी तुमको
तस्वीरों से ही परिचय है
तेज भरा मुस्कुराता चेहरा
चेहरे में कुछ दृढ़ निश्चय है
किताबों में पढ़ा है हमने
बच्चों को प्यार तुम करते
तभी तुम्हारे जन्मदिन को
बाल दिवस है सब कहते।।

अद्विता कक्षा 6

कर्ज

वर्षों का जो कर्ज बाकी है वह चुकाना है मुझे
तेरे सिर से सारा बोझ उठाना है मुझे
तेरे दुखों पर अपना नाम लिखवाना है मुझे
जो तू नहीं कर पाया वह करके दिखाना है मुझे
पापा तेरा अच्छा बेटा बनकर दिखाना है
मुझे पापा तेरा अच्छा बेटा बनकर दिखाना है
मुझे।।

उपलक्ष, कक्षा 6

आंखें हैं
पर अंधी हूं
पैर हैं
पर लंगड़ी हूं
मुंह है
पर मौन हूं
बताओ तो मैं कौन हूँ।
(गुड़िया)

किताबें कुछ कहना चाहती हैं

किताबें कुछ कहना चाहती हैं
किताबों में चिड़िया चह-चहातीहैं
किताबों में खेत लहराते हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं
किताबों में रॉकेट का राज है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में साइंस की आवाज है
किताबों में ज्ञान की भरमार है
क्या तुम इस संसार में नहीं जाना
चाहोगे
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
किताबें तुम्हारे पास रहना चाहती।।

यशिका, कक्षा 6

देश हमारा

कितना प्यारा देश हमारा
इसे प्रकृतिनेखूब संवारा
हम इसके गुण गाएंगे
धरती को स्वर्ग बनाएंगे
सिर पर मुकुट हिमालय है
देश नहीं देवालय है
हिंदू मुस्लिम सिख इसाई
सब आपस में भाई-भाई
हममें है अलगाव नहीं
कहीं कोई भी बिखराव नहीं
देश हमारा न्यारा है
प्राणों से भी प्यारा है।।

आभा ठाकुर, कक्षा 6

Free Being Me & ABC

K.V. NALETI
FIT INDIA
PLOGGING RUN 2ND OCT 2019
150TH BIRTH ANNIVERSARY OF MAHATMA GANDHI 2.OCT.2019

वार्षिक उत्सव समारोह

वार्षिक शैक्षणिक निरीक्षण

English Section

Mr. Narinder Kumar

(PGT Engliish)

Mr. Ashok Kumar

(TGT English)

Editorial

We are really proud and exuberant to acclaim that we are ready with all new hopes and hues to bring out another issue of the school magazine, "SRIJAN" (2019-20) of KV Naleti, which will surely unfold the unravelled world of the most unforgettable and precious moments of the school. The enthusiastic write ups of our young writers are indubitably sufficient to hold the interest and admiration of the readers. The school magazine is indeed a pious attempt to make our budding talents give shape to their creativity and learn the art of being aware because I believe that our success depends upon our power to perceive, the power to observe and the power to explore. We are sure that the positive attitude, hard work, sustained efforts and innovative ideas exhibited by our young buddies will surely stir the mind of the readers and take them to the surreal world of unalloyed joy and pleasure

This herculean task of editing this school magazine would not have been possible without the sincere support of the members of the Editorial Board who sorted out the articles from the flood of articles we had got from our enthusiastic and inquisitive young writers, edited them and finally made a fair draft of them. It is a fine thing to have ability but the ability to discover ability in others is the true test. I am really thankful to our respected Principal, Mrs. Swaty Agarwal for entrusting me with the responsibility of being a part of the Editorial Board. I heartily wish all the readers my best wishes and hope this magazine will prove itself to play a vital role in the all round development of the children.

Narinder Kumar
PGT English, KV Naleti (H.P.)

FIRST DAY AT SCHOOL

I wonder
If any drawing
Will be as good as theirs
I wonder
If they'll like me
Or just be full of stares
I wonder
If my teacher
Will look like mom or gran
I wonder
If my puppy
Will wonder where I am

Priyanshu Sharma (Class VI)

MY SCHOOL PROMISE

Each day I'll do my best
And I won't do any less.
My work will always please me
And I won't accept a mess.
I'll colour very carefully.
My printing will not be happy
until my work is all complete.
I'll always do my homework,
With learning as my quest.
I won't forget my promise to
always do my best.

Harshit Sharma (Class IX)

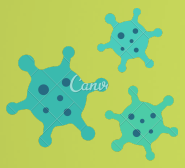

COVID-19 (Corona virus)

Corona virus disease (COVID-19) is an infectious disease caused by a newly discovered virus. Most people infected with the COVID-19 virus experience mild to moderate respiratory illness and recover without requiring special treatment . The problems of older people suffering from cardio vascular diseases, cancer and the like are more likely to develop serious illness. The best way to prevent and slow down transmission is to be well informed about the COVID-19 virus, its spread and consequences. Protect yourself and others from infection by washing your hands or using an alcohol based rub frequently and not touching your face. The COVID-19 virus spreads primarily through droplets of saliva or discharge from the nose when an infected person coughs or sneezes, so it's important that we also practise respiratory etiquettes (for example, by coughing into a flexed elbow). At this time, there is no specific vaccine or treatments for COVID-19. However, there are many ongoing clinical trials evaluating potential treatments. WHO will continue to provide updated information as soon as clinical finding become available. Till then we need to protect ourselves and others too.

Ayush (Class 9th)

The Brain

As wrinkled as an elephant
Gray like a cloud
It make u feel happy
It lets you know you're sleepy
And helps you read and write
It never stops thinking
It even dreams at night

By - Amisha kohli XII(A)

🙏MAA🙏

"Mother is the name for God in the lips and hearts of little children". When we look into mother's eyes,we know that it is purest love the we can find on this Earth.Mom is our first teacher..... Mother is one who can take place of all others but no one can take her place in this world.God could not be everywhere and therefore he made 'MOM'.Mother love for her child is like nothing else in this world.It knows no law,no pitty.Mothers are like glue even when you can't see them, they're still holding the family together .

-By Ayushi12(A)

Covid19 and board classes

In this dangerous situation all are huddled up inside their homes. everyone is working only from home. Students are studying and attending classes from home through screen.. But somewhere it's clicking in mind of the students how to plan study from home and prepare for exam..
No doubt health is first and more prior than studies but Indian education system lays emphasis on studies and marks too...and more over it's for our benefit only...
No matter if corona exists or not but board exams will be held definitely..
So each student studying specially in classes x and xii must focus on their studies and just utilise their time at home by self studying. Teachers are always available and are working best even in this situation..so it's our prime duty now To sort out all problems and remove our doubts of all subjects from our teachers. We should leave no stone unturned to come up to the expectations of our parents and teachers. After all what we achieve will only be for us..
Goodluck
Stay Safe,Stay *Home,Stay Healthy*

~EYAANSHEE SHARMA
[Xii science]

Dilemma of Choosing a Stream

When there is a time of choosing a stream after 10th standard then there is a dilemma in students that what stream should he/she choose. In the same way I too had this dilemma. When there is such situation we must think about our aim and if it is not yet chosen then we must go to our parents, teachers or any other guardians and tell our interests to them so that they may guide us toc choose a stream. When I chose science stream, then in the beginning I felt that it was very difficult and when I saw the students of other stream enjoying and saying that their subjects were not difficult then I thought that it would be good if I had not chosen this stream, science. But when I thought about my aim then I started to work hard to achieve it. So, at the time of choosing stream, choose that one which you like and is linked with your aim.

Anchal Thakur (XII Science)

Do Read, it makes you smarter and more confident

We live in an area where we have no friends' only digital companions. One spends a lot of time with electronic gadgets and now books are rarely seen. The saddest part is that book-lovers have become a minority and libraries remain empty.

There is a vital need to revive the reading habit among the youth. I wish to share some benefits of reading books, which I hope will make you fall in love with reading all over again. Books are your best friends and reading will add more confidence as well as happiness to your life. While you read you will learn and explore more about new things and people around. Reading makes you smarter and sharpens your mental faculties. So, We as students must cultivate the habit of reading books

Vanshika (Class 8th)

Good Habits for Kids and Students

Good habits develop good manners in an individual. A habit means doing the task in the same manner, under any circumstances. We have to practice good habits, from a very early age. Because good habits and manners give us good friends and good surroundings which in turn leads to a happy and peaceful life. There are many habits, that when learnt can change our character entirely and make us a well-mannered person in the future. Good habits that must be practiced daily by Kids andstudents by early age:

1. Early to bed, early to wakeup.
2. Brushing twice a day
3. Eat healthy food
4. Taking bath daily
5. Cleaning up the Mess
6. Sharing, Honesty and Punctuality
7. Respecting others and learning about savings

Vansh Dhiman (Class 10th)

A Real Friend

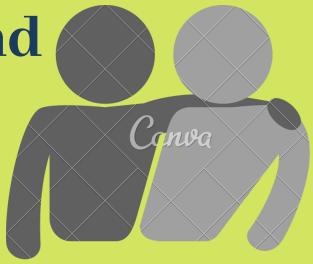

He took the right path,
means to righteousness.
He gave me a good start,
to have the feeling of helpfulness.
He even gave me tea.
These are some things,
a friend did for me.

He took me far from the greed of money.
He took me to the world of music.
When I was sick, he gave me tonic.
Tonic recovered me.
He took me to my favourite sea.

These are some things a friend did for me.
In friendship, there is no end.
But a friend with these qualities is a real friend.

Arpit Sharma (Class X)

With a Friend

I can talk with a friend
I can walk with a friend
And share my umbrella in the rain.
I can play with a friend

And stay with a friend
And learn with a friend and explain.
I can eat with a friend
And compete with a friend
And even sometimes disagree.
I can ride with a friend
And take pride with a friend
A friend can mean so much to me!

Vanshika (Class VII)

Why Do People Take Drugs?

Why do people take drugs?
Tell me why people love drugs?
They make you exhaust,
And your life is lost.
The drugs are bad,
They make your life sad.
They make you thugs,
So, tell me why people love drugs?
According to them drug is a treasure,
But these are not for pleasure.
You would never be relaxed,
Until you come to know about their real facts.
You may fall and will lose you soul,
Like iron you will rust,
So, tell me, why people love drugs?
When you will become alert,
The time will have been lost.
You will beg for life,
But you would not be alive.
One day you will become a slug,
And nobody will keep your worth.
So, question yourself-
Why? Why do you love drugs?

Pallavi (Class X)

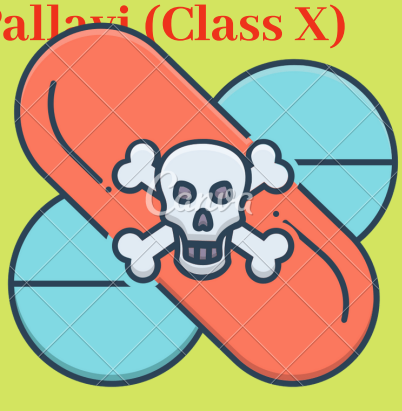

On a Soldier

If I die in a warzone,
Box me up and send me home,
Put my medals on my chest,
Tell my mom I did my best,
Tell my father not to bow,
He won't get tension from me now,
Tell my brother to study perfectly,
Keys of my bike will be his permanently,
Tell my sister not to be upset,
Her bro will not rise after this sunset,
Tell my love not to cry.....
BECAUSE I AM A SOLDIER BORN TO DIE.....!!!

Sharman Sharma (VIII)

Why Not a Girl

People pray for a boy, not a girl.
They desire for a boy, not a girl.
Blessing of elders are for male, not for female.
They love to have boy, not a girl.
But .....
In need of wealth, they prey goddess Laxmi.
In need of courage, they pray to Goddess Durga.
In need of education, they call upon goddess Saraswati.
Now tell me, why they hesitate to have a Devi in the family?

Kanishka Sharma (VII)

General Knowledge

Q1. When was the Tribune established and by whom?
Ans. The Tribune was established on Friday 2, 1881 by SardarDyal Singh Majithia.
Q2. Which state of America is named after president?
Ans. Washington is the only state of US named after first president 'George Washington'.
Q3. Which fish can survive without water?
Ans. Mudskipper is the only fish which lives in mud and for eating, it comes to ground and can survive without water.
Q4. Which Indian state was not in capture of British rule?
Ans. Goa was the only state that was not under British rule. It was controlled by Portuguese.
Q5. Which was the deadliest war in history?
Ans. World War II was deadliest war in the history killing lakhs of people. This resulted in death of Adolf Hitler andcrises in world economy.

Dhruv Sharma (IX)

Saint Namdev

Saint Namdev was a well-known poet-saint of Maharashtra. He belonged to the Bhakti movement, a socio-religious movement that took place in medieval India.

Namdev was born into a poor family of tailors, in the village of Narasi- Bamani, in Hingoli District of Maharashtra. He was married at a young age to a woman named Rajayee. However, he had little interest in worldly affairs.

According to legend, Namdev was a dacoit in the early years of his life. He robbed people of their possessions and killed them. One day he came across a grieving widow and her child. To his dismay, he realised that was he who was responsible for her plight since he had killed her husband. That was the turning point in his life. He became a devotee of Vithoba said to be an avatar of Lord Vishnu.

Sparash Thakur (X)

Walk Along

Walk along side me teacher and hold my little hand.
I have so many things to learn that I don't understand.
Teach me things to keep me safe from the dangers every day.
Show me how to do my best at home, at school, at play.
Every child needs gentle hand to guide them as they grow.
So, walk along side me teacher, we have long way to go.

RiyanBanial (IV)

FAMILY

F= Father
A= And
M= Mother
I= I
L= Love
Y= You

Kritika Sharma (VII)

A Daughter's Wish

"Father inherited our house from his father
And everyone says he will leave it to brother
But what about me and my mother?
To expect a share in my father's home,
Is not very womanly, I am told.
But I really want a place of my own
Not dowry of silk and gold."

Vanshika Pathania (VIII)

Life without Teachers

Life without teacher is just like,
A temple without God.
Life without teacher is just like,
Just like a drama without director.
Life without teacher is just like,
A book without any writer.
I am thankful to God as He has,
Blessed me with teachers.

Kanishka Sharma (VII)

Three Things

Three things to admire,
Nature, beauty and music.
Three things to avoid,
Smoking, drinking and gambling.
Three things to govern,
Temple, tongue and action.
Three things to watch,
Habit, behaviour and culture.
Three things to remember,
Parents, teachers and friends.
Three things to leave,
Corruption, terrorism and
drug addiction.

Anmol Vishisht (IX)

A Good Student

A= Always liked by teacher
G= Greet everyone with smile
O= On time to school
O=Obedient to teachers and parents
D= Dresses neatly
S= Studies with interest
T=Treats every one with interest
U= Understands everything taught
D= Does the homework properly
E= Eager to know new things
N= Never misbehaves
T= Talks less in class

Advita (VI)

TEACHER

T=Talented
E= Enthusiastic
A= Amazing
C= Calm
H= Happy
E= Effective
R= Rocking

FRIEND

F= Few
R= Relations
I= In
E= Earth
N= Never
D= Die

Kritika (VII)

MUMMY

M= MOM
U= U live
M= Many
M= Many
Y= Years

Kritika (VII)

Love Knowledge

I love English,
It's full of sweet words.
I love Hindi,
It's full of easy words.
I love Art,
It touches my heart.
I love Maths,
It's great fun.
I love Music,
It makes me happy.
I love literature,
It's full of knowledge.

Ankita Class (VIII)

East or West India is the Best

Punjab for food,
Bengal for mood,
Tamil for duty.
Himachal for apples,
Orissa for temple,
Madhya Pradesh for tribal.
Kashmir for beauty,
Rajasthan for history,
Maharashtra for victory.
Bihar for minerals,
All states for unity,
India for nationality.
Mysore for silk,
Haryana for milk,
Delhi for passion.

Pallavi Class (VII)

Lockdown

During this coronavirus lockdown schools cannot be open so children of all over the country are attendingvirtual classes. Studies are as well as important but the future of the children cannot be put into risk it was decided by the central governmentthat the children of the country will be attending virtual classes at home. E-books will be made available on apps like Diksha, Gyan Mandir etc. Many children are facing problem after attending online classes. In traditional classrooms it is more fun than e-learning and the children can ask their doubts at the point when they don'tunderstand but in virtual classes the some children hesitate to ask questions. Many children are facing eye problems. So attending the traditional classes is better than e-learning.

Vaishnavi Sharma (IX)

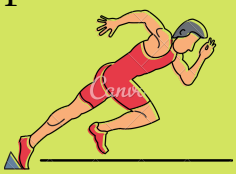

FIT INDIA MOVEMENT

"Health is Wealth" because without it one can not live the life to the fullest. Lack of healthy lifestyle can lead to poor result in any field. To achieve this ultimate wealth we must include yoga and exercise into our daily routine. Healthy food and clean atmosphere are also essential for healthy lifestyle. Apart from studies and work, one should take time off for their favorite sport. In this difficult period of global pandemic COVID-19, most of the people realized the importance of a healthy mind and body and started to work on it. Recently, our PM Mr. Narendra Modi addressed the nation on 1st anniversary of "Fit India Movement" and talked about importance of nutrition, fitness and well being. Fitness is not about intense workout but a way to respect our body, our mind and ourselves. We shouldn't pressurize ourselves and take baby steps toward physical and mental stability.

Mayank (VI)

A SALUTE TO CORONA WARRIORS

We all know that this is the crucial time of COVID-19 which is the synonym for Corona virus. Common masses are fighting with this virus following all the possible precautions like wearing masks, using sanitizers, washing hands frequently and keeping themselves inside homes. They are afraid of coming into contact with any strange person; because personal safety is compulsory for all. But what about the people who are working day in and day out for making others' lives easy and worth living. I mean doctors, nurses, watchmen, police, bank employees and many others. They can't go to their homes. They can't see their children so that other children could see his/her parents. I salute all the government officers and all associated with this humane cause because they are always there for us so that our lives could be secure. I, on the behalf of all the people of India would like to extend a big THANKS and sincere GRATITUDE to all those corona warriors.

Abhay Jassal (VII)

के. वि. नलेटी सुर्ख़ियों में

...लय नलेटी में कार्यक्रम के दौरान बच्चे अध्यापकों के साथ ● जागरण

वार्षिक समारोह | सालाना जलसे के दौरान मुख्यातिथि ने मेधावी छात्रों को बांटे पुरस्कार, रंगारंग कार्यक्रम से खूब बांधा समां

नलेटी स्कूल में होनहारों को मिला सम्मान

स्टाफ रिपोर्टर, गरली

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में सोमवार को वार्षिक पारितोषिक समारोह बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया गया। स्कूल प्राचार्या स्वाति अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम में बतौर चीफ गेस्ट पहुंचे राष्ट्रीय मानित विश्वविद्यालय संस्कृत संस्थान वेद व्यास परिसर बलाहर गरली के प्रचार्य प्रोफेसर लक्ष्मी निवास पांडे का यहां पहुंचते ही स्कूल प्रबंधन को छात्र-छात्राओं ने फूलमालाओं को बैंडबाजे के साथ जोरदार भव्य स्वागत किया। सर्व प्रथम मंच पर रखी मां सरस्वती मूर्ति के आगे चीफ गेस्ट स्कूल प्राचार्य व अन्य गणमान्य लोगों द्वारा ज्योति प्रज्वलित की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत तीसरी कक्षा के मासूम बच्चों द्वारा सरस्वती व गणेश वंदना की मनमोहक प्रस्तुति के साथ हुई। इससे पश्चात पहली से प्लस टू तक के बच्चों ने नाटी, झमाकड़ा राजस्थानी गिद्दा, पंजाबी भांगड़ा, बेटी है अनमोल, मोबाइल के कुप्रभाव व नशे के प्रति हास्य लघुनाटक की शानदार छाप छोड़कर पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट व सीटियों से गूंजमय हो गया। दसवीं कक्षा की छात्राओं ने जहां झमाकड़े की दिलकश प्रस्तुति ने पंडाल में बैठे दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया, तो वहीं पंजाबी लिबास में सजी नौवीं व आठवीं कक्षा की लड़कियों ने 'जट्ट दा पजामा कूदे ऊच्चा हो गया, आदि पंजाबी गीतों पर ऐसी धमाल मचाई कि पूरा पंडाल तालियो व सीटियों से गूंज उठा। सातवीं कक्षा की लड़कियों ने राजस्थानी गाने काल्यो कूद पड्यो मेला में पर नृत्य कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। वार्षिक समारोह में केंद्रीय विद्यालय की प्राचार्य स्वाति अग्रवाल ने अपने स्कूल की गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी। वहीं, कार्यक्रम के अंत मे चीफ गेस्ट प्रोफेसर लक्ष्मी निवास पांडे व स्कूल प्रचार्या स्वाति अग्रवाल ने होनहार छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह आदि ईनाम बांट कर सम्मानित किया।

दसवीं में केंद्रीय विद्यालय नलेटी के बच्चों का परचम लहराया

केन्द्रीय बिघालय नलेटी के होनहार बच्चे।

सियूल/डाडासीबा (प्रवीण शर्मा): सीबीएसई कक्षा दसवीं के बार्षिक परीक्षा परिणाम मे केंद्रीय विद्यालय नलेटी के बच्चों ने सर्वोच्च प्रदर्शन किया विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा है जो बड़े की गौरव की बात है जान्कारी देते हुए स्कूल प्रधानाचार्य स्बाती अग्रबाल ने बताया कि विद्यालय के होनहार छात्र बंश धीमान ने 94.8% अंक प्राप्त किए रुद्राश शर्मा ने 93% तथा मनस्वी ने 91.2% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य स्वाति अग्रवाल ने समस्त छात्र छात्राओं शिक्षकों तथा अभिभावकों को शुभकामनाएं व बघाई प्रेषित की है तथा बच्चों के भविष्य की उज्जवल कामना की।

भाषण प्रतियोगिता में कात्यानी प्रथम

गरली, 18 जुलाई (रविंद्र): केंद्रीय विद्यालय नलेटी में गुरुवार को किशोर अवस्था और स्वास्थ्य शिक्षा विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्कूल प्राचार्य स्वाति अग्रवाल की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक नितिन कुमार ने शिरकत की।

इस कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 11वीं की कात्यानी ने प्रथम, 8वीं के सार्थक ने दूसरा व जमा 2 की ईशा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर सुपरवाइजर संजीव, सब

गरली : केंद्रीय विद्यालय नलेटी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान

दैनिक सवेरा टाइम्स

न्यूज गैलरी

12वीं के परीक्षा परिणाम में छाया केंद्रीय विद्यालय नलेटी का परचम

नलेटी स्कूल के होनहार छात्र।

सियूल/डाडासीबा (प्रवीण शर्मा) : केंद्रीय विद्यालय नलेटी के बच्चों ने उच्च माध्यमिक परीक्षा परिणाम विज्ञान वर्ग और वाणिज्य वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा विज्ञान संकाय में विक्रात ठाकुर ने 500 में से 463 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कृतिका शर्मा 456 अंक प्राप्त कर दितीय स्थान प्राप्त किया तथा ऋषभ ने 452 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही वाणिज्य संकाय में ईशान ठाकुर ने 449 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया अभिनय शर्मा ने 440 अंक प्राप्त कर दितीय स्थान हासिल किया तथा हर्ष राणा ने 430 अंक प्राप्त कर के तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य स्वाति अग्रवाल ने विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं शिक्षकों व अभिभावकों को हार्दिक बघाई एवं शुभकामनाएं दी और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सेंट्रल स्कूल नलेटी में झमाकड़ा व राजस्थानी नृत्य से मोहा मन

वार्षिक समारोह में संस्कृत संस्थान के प्रिंसिपल ने पुरस्कृत किए स्टूडेंट्स

संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में छाए केंद्रीय विद्यालय नलेटी के छात्र

गरली : गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र प्राचार्य स्वाति अग्रवाल के साथ। (रविंद्र)

गरली, 1 मई (रविंद्र): गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय नलेटी (परागपुर) के 5 छात्रों ने स्वर्ण पदक, 8 छात्रों ने रजत पदक व 3 छात्रों ने कांस्य पदक जीत कर अपना लोहा मनवाया है। विजेता छात्र-छात्राओं का बुधवार सुबह अपने स्कूल पहुंचते ही स्कूल प्राचार्य डाक्टर स्वाति अग्रवाल, शिक्षक स्टाफ व साथी विद्यार्थियों ने स्वागत किया और संस्थान की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने बताया कि 10 खिलाड़ी तमन्ना, रिया, हर्षित, लक्ष, विदुषी, आकांक्षा, सुमित, श्रुति, अन्नन्या व लक्ष्य सियाल राष्ट्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी के वार्षिक समारोह के दौरान विद्यार्थी अध्यापकों के साथ ● जागरण

संस्कृत अनुभाग

श्रीमती आशा किरण

(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, संस्कृत)

" संस्कृतम् मे प्रियम् भारतम् मे प्रियम् "

संस्कृतम् संस्कृतम् संस्कृतम् संस्कृतम्
सं स्कृतम् मे प्रियम् भारतम् मे प्रियम्।
संस्कृते सन्ति वेदाः पुराणानि च ।
संस्कृते चास्ति रामस्य रामायणम् ।
संस्कृते चास्ति गीता- महाभारतम् ।
संस्कृतम् मे प्रियम् भारतम् मे प्रियम्।। । ।।

संस्कृतम् संस्कृतम् संस्कृतम् संस्कृतम्
संस्कृतम् मे प्रियम् भारतम् मे प्रियम्।
संस्कृते पाठनम् संस्कृते लेखनम् ।
संस्कृते भाषणम् संस्कृते खेलनम् ।
संस्कृते चिंतनम् संस्कृते जीवनम् ।
संस्कृतम् मे प्रियम् भारतम् मे प्रियम्।। 2 ।।

संस्कृतम् संस्कृतम् संस्कृतम् संस्कृतम्
संस्कृतम् मे प्रियम् भारतम् मे प्रियम्।
संस्कृते ज्ञानवैभवम् संस्कृते वेदवाङ्मयम् ।
संस्कृते कीर्तिराजितम् संस्कृते मुनिभिराजितम् ।
संस्कृते भारतीयसंस्कृतिम् संस्कृते सनातनपद्धतिम् ।
संस्कृतम् मे प्रियम् भारतम् मे प्रियम्।। 3 ।।

संस्कृतम् संस्कृतम् संस्कृतम् संस्कृतम्
संस्कृतम् मे प्रियम् भारतम् मे प्रियम्।

" जयतु संस्कृतम् , जयतु संस्कृतम् ,जयतु जयतु संस्कृतम् "

आशा किरण
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (संस्कृत)
केन्द्रीय विद्यालय, नलेटी

संस्कृत भाषायाः महत्वम्

समयक् परिष्कृतम् शुद्धम् अर्थम् दोषरहितम् व्याकरनणेन संस्कारित वा यत्तदेव संस्कृतम् । एवञ्च सम्- उपसर्गपूर्वकात् कृ धातो निष्पन्नों यं शब्द भाषेति नाम्ना सम्बोध्यते । संस्कृत भाषायाः देववाणी, अमरवाणी, गीवार्णवाणी इत्यादिभिः नामभिः कथ्यते । इयमेव भाषा सर्वसाम् भारतीय भाषाणाम् जननी , भारतीयसंस्कृतेः प्राणस्वरूपा , भारतीयधर्मदर्शनादिकानाम् प्रसारिका , सर्वास्वपि विश्व भाषासु प्राचीनतमा सर्वमान्या च मन्यते । अस्माकम् समस्तमपि वैदिक साहित्यम् रामायनम् महाभारतम् पुराणानि दर्शनग्रन्थाः स्मृतिग्रन्थाः काव्यानि नाटकानि गद्य-नीति-आख्यानग्रन्थाः श्च अस्यामेव भाषायाम् लिखिता प्राप्यन्ते। गणितम् , ज्योतिषम् ,अर्थशास्त्रम् , राजनीतिशास्त्रम् , छन्दशास्त्रम् , ज्ञान-विज्ञानम् , तत्वज्ञानमस्यामेव संस्कृत भाषायाम् समुपलभ्यते । अनेन संस्कृत भाषायाः विपुलम् गौरवम् स्वमेव सिध्यति ।

वंशिता, कक्षा –सप्तमी

स्त्रीशिक्षा – आवश्यकी

अस्माकम् भारतीय संस्कृतों नारीणाम् भूमिका महत्वपूर्ण वर्तते । योषित् स्त्री-महिला प्रभृत्यः 'नारी' इत्यस्य पर्यायवाचिनः शब्दाः सन्ति। वैदिक युगे मैत्रेयी-गार्गी प्रभृत्यः महत्वः ज्योतिषः अभवन्। सीता - सावित्री - द्रौपती - कुन्ती प्रभृत्यः महत्यः पुराण युगस्य उल्लेखयोग्यः योषितः आसन् । तासु लक्ष्मीः विष्णोः पार्वती च शिवस्य पत्नी अस्ति । इमे देवयोषिते अति परमपूज्ये स्तः । यस्मिन् गृहे योषितानामादर भावः भवति तत्र देवाः निवसन्ति । शिक्षयैव जनाः सत्कर्म कुर्वन्ति असत्कर्म च परित्यजन्ति । शिक्षा यथा मानवेभ्यः श्रेयकरी वर्तते तथेव नारीभ्यः अपि। नारी शिक्षा नारीगुणान् विकासयति विदया शून्याः अशिक्षिता । मातरः कर्तव्यज्ञानहीनाः भविष्यति । अतः तेषां जीवनम् निरर्थकम् भवति । पुरुषापेक्षया स्त्रीणाम् वाक् प्रायः मधुरा भवति । न केवल वाक् किन्तु तासाम् स्वभावः अपि मधुरः भवति लोकव्यवहारे वाक् स्वभावस्य च अधिकम् महत्वम् भवति । शिक्षिता स्त्री एव न केवलम् परिवारस्य , अपितु समाजस्य कल्याणम् कर्तुम् शक्यते । नारीणाम् आशीषेः सन्तानानाम् जीवनस्य दिक् निर्धारितम् भवति । उतमाम् दिशाम् प्राप्य ते जीवने उन्नति कर्तुम् अर्हन्ति । अतः स्त्री शिक्षा आवश्यकी ।

अकांक्षा कक्षा – नवमी

अस्माकम् विद्यालयः

अस्माकम् विद्यालयस्य नामः केन्द्रीय विद्यालय अस्ति । एषः विद्यालयः हिमाचल प्रदेशस्य सर्वेषु विद्यालयेषु श्रेष्ठम् अस्ति । अयम् अति विशालः विद्यालय अस्ति । अस्य निर्माण १९९३ खिस्ताब्दे अभवत् । अस्य भवनम् महत् रमणीयम् अस्ति । अस्माकम् विद्यालये द्वाविंशतिः कक्षाः । अस्माकम् विद्यालये अध्यापकानाम् संख्या षटविंशतिः सन्ति । ये अति श्रमशीलाः योग्याः बुद्धिमन्तः कुशाग्रबुद्धयः सुकुशलाः च सन्ति । विशाल प्रवेश द्वारान्तरमेव वामे पार्श्वे प्रधानाचार्य - महोदयायाः कक्षो- विदालये बालकेभ्यः द्वारपालः उपविशति । अस्माकम् विद्यालये बालकेभ्यः क्रीडितुम् अनेकानि क्रीडाक्षेत्रम् सन्ति । विद्यालय मध्ये एकम् अति सुंदरम् क्रीडाक्षेत्राणी एकम् अति सुंदरम् उपवनम् च अस्ति । अस्मिन् उपवने अति सुंदराणि पुष्पाणि सन्ति । अस्माकम् विद्यालयस्य स्थिति उचितस्थाने अस्ति । अस्माकम् विद्यालयेन समः को अपि विदालय नास्ति ।

पारस, कक्षा - नवमी

व्यायामः

अस्मिन् संसार सागरे शरीरमेव सुखस्वर्गयोः साधनम् अस्ति । सुखम् तदेव भवति यदा शरीरम् निरोगम् भवेत् । आरोग्यम् आप्तये मनुष्य प्रतिदिनम् व्यायाम् कुर्यात्। व्यायामेन शरीरम् आरोग्यम् भवति , अजीर्णः नाश्यति , जठरानलः दिप्तो भवति । शरीरे अग्नि आदि रोगाः नस्यन्ति , मुखमण्डल तेजसा परिवृतम् शोभते ।व्यायामेन शरीरे रक्तस्य संचारो भवति , कार्यम् कर्तुम् मनः प्रवर्त्तते । व्यायामेनपुष्ट शरीर रोगाः न आक्रमन्ते । व्यायामः प्रतिदिनम् पुरुषः प्रातः कुर्यात् । युवानश्च भारतीय व्यायामेन वा शरीरम् पोषयन्ति ।व्यायामेन शरीरम् सबलम् भवति । बलवतः पुरुषात् शत्रवो अपि भयम् कुर्वन्ति । बलवताम् पुरुषाणाम् सर्वे सुहृदो भवन्ति ।

यदि शरीरम् स्वस्थ न भवेत् तहि धर्म अर्थ काम मोक्ष आरोग्यम् लाभो न भवेत् । अकथयत् च कश्चित् कविः -

व्यामपुष्द - गात्रस्य बुद्धिस्तेजो यशोबलम् ।
प्रवधन्ते मनुष्यस्य तस्माद व्यायामाचरेत् ।।

अभय जस्सल, कक्षा - षष्टी

विद्याधनम्

1.) येषाम् न विद्या न तपो न दानम्
ज्ञानम् न शीलम् न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्य लोके भुवि भार भूताः
मनुष्य रुपेण मृगाश्चरन्ति ।।

अर्थात् जिस मनुष्य में विद्या,तप,दान,ज्ञान, शील,गुण और धर्म नहीं हैं वो मनुष्य इस मृत्यु लोक पर भार रूप होकर मनुष्य के रूप में पशु हैं ।

2.) न चोरहार्यम् न च राजहार्यम्
न भ्रातृभाज्यम् न च भारकारी ।
व्यये कृते वर्धते एव नित्यम्
विद्या धनम् सर्वधनप्रधानम् ।।

अर्थात् विद्यारूपी धन को कोई चुरा नहीं सकता , राजा ले नहीं सकता, भाइयों द्वारा इसे बांटा नहीं जा सकता और न ही इसका कोई भार होता है ख़र्च करने से नित्य यह बढ़ता है , सचमुच विद्या रूपी धन सभी धनों में सर्वश्रेष्ठ है ।

3.) नास्ति विद्यासमो बन्धुनास्ति
विद्यासमः सुहयत्।
नास्ति विद्यासम् वितम्
नास्ति विद्यासम् सुखम् ।।

अर्थात् विद्या जैसा बन्धु नहीं , विद्या जैसा मित्र नहीं ,विद्या जैसा अन्य कोई धन और सुख नहीं ।

वैष्णवी शर्मा, कक्षा - अष्टमी

हिन्दी में	संस्कृत में
शेर	सिंह
बाघ	व्याघ्रः
सूअर	वराह
बंदर	वानरः
भालू	भल्लूकः
भैंस	महिषः
सियार	शृगालः

देवेशधर द्विवेदी
कक्षा - षष्टी

हिन्दी में	संस्कृत में
बिल्ली	विडाल
भेड़िया	वृकः
हिरण	हरिणः
ख़रगोश	शशकः
हाथी	गजः
घोड़ा	अश्वः
सांड	वृषभः

सर्वव्यापी महामारीच मानसिक स्वास्थ्यम्

अस्मिन् महामारीकाले सर्वेशां दृष्टिः शारिरिक स्वास्थ्यस्य उपरि एव केन्द्रित वर्तते। मानसिक स्वास्थ्यस्य प्रायः सर्वेपि उपेक्षाम् कुर्वन्ति। सर्वविस्थवयस्काः मानसिक स्वास्थ्यम् स्वजीवने अतिमुख्यम् इति चिन्तयेयुः। सामान्यदिनेष्वपि जनाः मानसिक स्वास्थ्यस्य चिन्ताम् कुर्युः। महामारीवषात् अनेकाः चिन्ताः मानसिक दार्ढ्यस्य विघातकाः दृश्यन्ते। वस्तूनाम् अभावभीतिः, रोगसंक्रमण-भीतिः एव परिवार सदस्यानाम् स्वास्थ्यभीतिः इत्यादयः मानसिक चिन्तानाम् मुख्य कारकाः वर्तन्ते। स्वस्थमनः एवं स्वस्थशरीरम् निर्माति। सानुकूलचिन्तनम्, ध्यानम्, योग, इत्यादयः मानसिक स्वास्थ्यम् प्रयच्छन्ति।

पी एस एल कात्यायनी , कक्षा ग्यारहवीं "अ"

किम् विना किम् व्यर्थम्

साहसम् विना शस्त्रम् व्यर्थम् ।
गुणम् विना रूपम् व्यर्थम् ।
क्रियाम् विना ज्ञानम् व्यर्थम् ।
तैलम् विना दीपकः व्यर्थम् ।
जलम् विना नदीव्यर्थम् ।
श्रद्धाम् विना भक्तिः व्यर्थम् ।
सैनिकम् विना सीमा व्यर्थम् ।
सत्कर्म विना धर्मः व्यर्थम् ।
भक्तिम् विना जीवनम् व्यर्थम् ।
शिष्यम् विना गुरुम् व्यर्थम् ।
सूर्यम् विना दिनम् व्यर्थम् ।
चन्द्रः विना रात्रि व्यर्थम् ।
ज्ञानम् विना जीवनम् व्यर्थम् ।

अंकिता कक्षा – अष्टमी

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः करोति देशानाम् निर्माणाम् ।।।।।
किम् अस्ति तत् पदम्
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यस्य छायायाः प्राप्तम् ज्ञानम् ।।2।।
किम् अस्ति तत् पदम्
यः रचयति चरित्र जनानाम्
'गुरु' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरूणाम् मम शतम् शतम् प्रणामः ।।3।।

उल्लासिता, कक्षा – नवमी

Miscellaneous

नन्हे मुन्ने

केन्द्रीय विद्यालय नलेटी
KENDRIYA VIDYALAYA NALETI
REPUBLIC DAY
केन्द्रीय विद्यालय नलेटी आपका स्वागत करता है

धन्यवाद

समस्त बच्चे और स्टाफ

केंद्रीय विद्यालय नलेट्टी (हि. प्र.)